भारत सरकार / Government of India

परमाणु ऊर्जा विभाग / Department of Atomic Energy

भारी पानी बोर्ड / Heavy Water Board

संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन - रिपोर्ट
(दिनांक 11 से 13 मार्च , 2026)

परमाणु ऊर्जा विभाग की मुम्बई स्थित छह यूनिटों (निसेसंप्रनि, क्रभनि, पऊनिप, भापाबो, ब्रिट एवं नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड) की संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में निसेसंप्रनि द्वारा **दिनांक 11 से 13 मार्च, 2026** तक विपस हॉल, वी.एस. भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई में तीन दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला में छह यूनिटों के नामित कुल 22 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया ।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में **श्रीमती अनुराधा दोडके, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड** ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दी । **संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति की अध्यक्षा एवं मुख्य प्रशासन अधिकारी भापाबो, श्रीमती अजिथा थरियन, श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप-निदेशक (राजभाषा) निसेसंप्रनि, एवं श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राजभाषा), भापाबो एवं सदस्य-सचिव, संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति** उपस्थित थे जिन्होंने सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में कार्यालय के महत्व एवं इसकी सकारत्मक भूमिका पर प्रकाश डाला ।

प्रथम सत्र में श्रीमती अनुराधा दोडके, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड ने **"संघ की राजभाषा नीति"** की प्रमुख बातों पर चर्चा की । श्री आशुतोष दुबे, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, पऊनिप ने **"परमाणु ऊर्जा विभाग की प्रोत्साहन योजना"** के मूल बिंदुओं की व्याख्या की तथा सभी प्रतिभागियों को इस योजना के तहत प्रोत्साहन संबंधी आर्थिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया । डॉ. सुकांत सुमन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, क्रभनि ने **"हिंदी वर्तनी का मानकीकरण"** पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया । श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप-निदेशक (राजभाषा) निसेसंप्रनि ने **"संशोधित तिमाही रिपोर्ट"** के प्रारूप पर चर्चा करते हुए तिमाही रिपोर्ट के बारीकियों को स्पष्ट किया ।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत श्रीमती अनुराधा दोडके, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड के व्याख्यान से हुई, उन्होंने **'नैतिक मूल्य एवं आदर्श'** विषय पर अपने अनुभव साझा करते हुए जीवन में नैतिक मूल्यों के उपादेयता की बात की । तदुपरांत श्रीमती स्नेहा हिरे, सहायक लेखा अधिकारी (नकद), निसेसंप्रनि ने बहुत ही सरल शब्दों में **"कर प्रबंधन"** से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की तथा प्रश्नोत्तरी सत्र के साथ अपने सत्र को समाप्त किया । भोजन के पश्चात श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप-निदेशक (राजभाषा) निसेसंप्रनि ने **"टिप्पण एवं आलेखन: सिद्धांत एवं अभ्यास"** पर उपयोगी व्याख्यान दिया एवं अभ्यास के साथ अपने सत्र का समापन किया ।

कार्यशाला के तीसरे दिन की **श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राभा), भापाबो** ने **"पऊवि की नवीनतम गतिविधियाँ"** विषय पर प्रतिभागियों को विभाग की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। अंतिम सत्र में सत्रान्त परीक्षा आयोजित की गई एवं सर्वोत्कृष्ट अंक पानेवाले 10 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

इस अवसर पर श्रीमती अनुराधा दोडके, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड , श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप-निदेशक (राजभाषा) निसेसंप्रनि, एवं श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राजभाषा), भापाबो एवं सदस्य-सचिव, संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति ने

सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए । समापन सत्र में डॉ. सुकांत सुमन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, क्रभनि के धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस तीन दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन किया गया ।

****